अपने हाथों से वाल्मीकि भाइयों का कराया मुँह मीठा	08	विजयेंद्र बनाएंगे संघ पर फिल्म	11	इतिहास में दर्ज है	16

राष्ट्रीय विचारों का पाक्षिक

पाथेय कण

₹10

www.patheykan.com

भाद्रपद शु.5, वि.2079, युगाब्द 5124, 1 सितम्बर, 2022

सामाजिक समरसता तोड़ने का वाम षड्यंत्र

जालोर के सुराणा गांव में अनुसूचित वर्ग के छात्र को शिक्षक द्वारा पीटने पर मौत का मामला

मटका कांड : सच या झूठ ?

स्कूल में पानी की टंकी जहां सभी पीते हैं पानी

वाम लिबरल गैंग द्वारा जारी किया गया मटके का पोस्टर

patheykan@gmail.com

patheykan

@patheykan1

पाक्षिक
पाथेय कण

भाद्रपद शुक्ल 5 से
आश्विन कृष्ण 5 तक
विक्रम संवत् 2079,
युगाब्द 5124

1-15 सितम्बर, 2022
वर्ष 38 : अंक 10

सम्पादक
रामस्वरूप अग्रवाल

सह सम्पादक
मनोज गर्ग

प्रबंध सम्पादक
माणकचन्द

सह प्रबंध सम्पादक
ओमप्रकाश

अक्षर संयोजन
कौशल रावत

सहयोग राशि
एक वर्ष ₹ 150/-
पन्द्रह वर्ष ₹ 1500/-

प्रबंधकीय कार्यालय
'पाथेय भवन'
4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र,
अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर,
जयपुर-302017 (राज.)

पाथेय कण प्राप्त नहीं होने
की शिकायत हेतु सम्पर्क
(प्रातः10 से सायं 5 बजे तक)
सुरेश शर्मा 9413645211
विज्ञापन हेतु सम्पर्क
ओमप्रकाश 9929722111

E-mail
patheykan@gmail.com
Website
www.patheykan.in

भेदभाव का दंश

कुछ लोग समाज में गंदगी ही ढूंढते रहते हैं। जब उन्हें किसी कोने में थोड़ी गंदगी दिख जाए तो वे उछल पड़ते हैं और इस गंदगी को उठाकर फेंक देने की बजाय वे उस गंदगी के लिए पूरे समाज को गंदा बताने लगते हैं। जाति आधारित भेदभाव-शोषण अथवा छुआछूत ऐसी ही गंदगी है जिससे छुटकारा पाने के लिए समाज निरंतर प्रयत्नशील है और इस मामले में बड़े पैमाने पर सफलता भी मिली है। परन्तु समाज तोड़क गैंग समाज को ऐसा करने नहीं देगी। वे वैमनस्यता को हवा देंगे, जाति-संघर्ष उत्पन्न करने की कोशिश करेंगे और अपने आप को दलित-रहनुमा दिखाते हुए पूरे समाज को गालियां देंगे- लानत भेजेंगे। क्या इस तरीके से समाज जातिगत भेदभाव रूपी कहीं-कहीं शेष रह गई गंदगी से मुक्त हो पायेगा?

राजस्थान में कार्य कर चुके **समाजशास्त्र के प्रोफेसर श्यामलाल ने, जो तथाकथित दलित समाज से संबंध रखते हैं, लिखा है-** ''गरीबों का मसीहा बनकर एक विशिष्ट प्रकार के वक्तव्य देने वाले लोगों के बताए उपायों से यह समस्या हल होने वाली नहीं है।'' वे यह भी कहते हैं कि ''इस समस्या का समाधान न तो उदार गांधीवादी और न ही मार्क्सवादी विचारों से होने वाला है। अपने दलगत स्वार्थों के लिए बयान देने वाले राजनेताओं ने 'सामाजिक विषमता' को बढ़ावा ही दिया है।'' **प्रसिद्ध विचारक फ्रायर के अनुसार** शोषित वर्ग का नेतृत्व करने वाले जब सत्ता में आते हैं तो उनके जीवन मूल्य शोषक वर्ग वाले ही बने रहते हैं। इसीलिए चाहे लालू प्रसाद का बिहार हो या मायावती-मुलायम का उत्तर प्रदेश अथवा वामपंथियों का बंगाल पर शासन, दलित-वंचितों का कोई खास भला नहीं हो पाया।

बाबा साहब अम्बेडकर ने 25 नवम्बर, 1947 को दिल्ली में दिए अपने एक भाषण में कहा था, ''हम परस्पर भाई हैं। सभी के मन में परस्पर जो आत्मीयता का भाव होता है उसे बन्धुभाव कहा जाता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''राष्ट्रभावना के जागरण से ही बन्धुत्व की भावना का निर्माण हुआ करता है। बिना बन्धुभाव के समता और स्वतंत्रता की बातें कोरी बकवास ही बनकर रह जाती हैं।'' बाबा साहब की बातों का सरलार्थ है कि राष्ट्रभावना का जागरण होगा तो बन्धुभाव आएगा। इस बंधुभाव या परस्पर आत्मीयता के भाव को ही 'समरसता' कहा जाता है। स्पष्ट है कि जातिगत भेदभाव-शोषण अथवा छुआछूत को पूरी तरह खत्म करना है तो राष्ट्रभावना का जागरण करना होगा। इस भूमि के प्रति 'माता-पुत्र' का भाव उत्पन्न करना होगा, सभी के हृदय में देश-समाज के प्रति लगाव पैदा करना होगा। **स्वामी विवेकानन्द जब कहते थे** कि दीन, दुःखी, दरिद्र तथा अज्ञान में पड़े भारतवासी ही मेरे देवता हैं, तो वे समरसता का मंत्र ही दे रहे थे।

निष्कर्ष यह कि हिंदू समाज की इस दलित-वंचित समस्या का समाधान सामाजिक समरसता के भाव में छिपा है। 'माता भूमिः, पुत्रोऽहं पृथिव्याः' के भाव में छिपा है। जब हम कहते हैं कि हम सब भारत माता की संतान हैं तो फिर भाई-भाई में कैसा भेद? कैसी ऊँच-नीच? 'यह संपूर्ण समाज मेरा अपना परिवार है'- इस भाव में है समस्या का हल।

पाथेय कण लगातार ऐसे समाचार प्रकाशित करता रहता है जहां समाज के संपन्न वर्ग ने स्वयं आगे आकर वंचित वर्ग के बंधुओं की ओर सहयोग का हाथ बढ़ाया है। आज समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। जातीय मंचों से उन लोगों को लताड़ा जा रहा है जो किसी प्रकार का भेदभाव करने की नीयत रखते हैं। कहा जा रहा है कि दलित-सवर्ण-सब में एक ही ईश्वर का निवास है, सब एक ही ईश्वर की संतान हैं। फिर भेदभाव कैसा? न केवल ऐसा कहा जा रहा है वरन, समाज के अगुवा स्वयं अपने आचरण से इसे प्रकट भी कर रहे हैं। आवश्यकता है इस बदलाव को गति देने की। सब ओर एक समरसता का वातावरण निर्माण करने की, ताकि समाज तोड़क गैंग को कहीं भी समाज के किसी भी कोने में जातिगत भेदभाव या छुआछूत की गंदगी दिखाई नहीं दे, अन्यथा वे तिल का ताड़ बनाने से चूकेंगे नहीं। ●

- रामस्वरूप अग्रवाल

ज्ञान गंगा

कर्मणा जायते सर्वं कर्मैव गतिसाधनम्।
तस्मात् सर्वप्रयत्नेन, साधु कर्म समाचरेत्।।

(विष्णु पुराण-1/18/32)

कर्म द्वारा ही सब कुछ उत्पन्न होता है और कर्म ही आगे बढ़ने का साधन है। अतः मनुष्य को चाहिए कि वह यथाशक्ति अच्छा कर्म ही करे।

सामाजिक समरसता तोड़ने का वाम षड्यंत्र

जालोर के सुराणा गांव में दलित छात्र को शिक्षक द्वारा पीटने पर मौत का मामला

झूठा मटका कांड ?

पाथेय कण जाति आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव अथवा छुआछूत का सख्त विरोधी है तथा हमेशा ही एक समरस समाज के लिए प्रयत्न करता रहा है। परंतु कुछ लोग हैं जिनकी राजनीति तभी पनप सकती है जब समाज में जातिगत भेदभाव व शोषण आदि बना रहे। ऐसे लोगों का असली चेहरा समाज के सामने लाना ही इस 'आवरण कथा' का हेतु है।

समाज में विकसित हो रही सामाजिक समरसता क्यों कुछ लोगों को अच्छी नहीं लगती? ऐसे लोग इंतजार में रहते हैं कि कोई अप्रिय घटना घटे-तथाकथित सवर्ण और दलित के मध्य, तुरंग वाम गैंग सक्रिय हो जाती है। समाज तोड़ने के अपने इच्छित लक्ष्य के अनुसार वे उस घटना को जातीय विद्वेष का रूप देकर प्रचारित करने में लग जाते हैं। कारण कि समाज में जातीय-विद्वेष बने रहने पर ही उनकी राजनीतिक गोटियां बैठने की संभावना बनती है।

जालोर जिले के सुराणा गांव में स्थित एक विद्यालय की हाल में घटित उस घटना को ही ले लीजिए जिसके बारे में समाचार पत्रों में मुख-पृष्ठ पर छपा था- ''हेड मास्टर की मटकी से पानी पिया तो 8 साल के दलित छात्र की हत्या'' (14 अगस्त,2022 के समाचार पत्र)। समाचार पत्र में विवरण लिखा था कि स्कूल के हेड मास्टर की पानी की मटकी से एक दलित छात्र ने पानी पी लिया, इस पर हेड मास्टर ने इतना मारा कि दलित छात्र की मृत्यु हो गई।

दलित-सवर्ण की राजनीति

अब छात्र दलित है तो हेड मास्टर अवश्य ही सवर्ण होगा- अन्यथा सनसनी कैसे फैलेगी? यह समाचार पढ़ने वाले को अवश्य लगेगा ही कि विद्यालय में दलित छात्रों के साथ भेदभाव और छुआछूत का व्यवहार

समाज से विलुप्त हो गई छुआछूत को फिर से जीवित करने के लिए 'समाज तोड़क गैंग' द्वारा किया गया 'मटकी' का आविष्कार ?

किया जा रहा है, तभी तो अलग मटकी रखी गई। अखबार में छपे समाचार में समाज और देश पर तंज भी था कि देखो स्वाधीनता के अमृत महोत्सव में ऐसा हो रहा है।

संघ पर उछाला कीचड़

समाज तोड़क गैंग को इतने पर भी संतोष कहाँ था! चूंकि विद्यालय का नाम 'सरस्वती विद्या मंदिर' है, ऐसे नाम तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा संचालित विद्यालयों के होते हैं- बस फिर क्या था, समाज तोड़क गैंग के कर्णधारों ने तुरंत ट्वीट शुरु कर दिए- '' क्या संघ इसके लिए माफी माँगेगा? क्या संघी विद्यालयों में दलित बच्चों को पानी पीने का अधिकार नहीं है? क्या सीएम गहलोत इस संघी संस्था पर कार्रवाई करेंगे?''(हंसराज मीणा का ट्वीट)

और यह भी कि ''आरएसएस द्वारा संचालित विद्यालय में शिक्षक ने उसके घड़े से पानी पीने के कारण एक दलित छात्र को पीट-पीट कर मार डाला।'' (संदीप सिंह का ट्वीट)

बड़े खिलाड़ी आए मैदान में

इसके बाद वाम-लिबरल गैंग के बड़े खिलाड़ी भी मैदान में आ गए। कांग्रेसी सांसद दिग्विजय सिंह पूर्व सांसद और अपने को बड़ा दलित नेता मानने वाले उदित राज ने भी ट्विट किए। सवर्ण घड़े से दलित के पानी पीने की बात की। उदित राज ने भी वहीं जहर उगला-

''राजस्थान के आरएसएस द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर के दलित छात्र को मटके से पानी पीने के कारण सवर्ण शिक्षक ने मारा और मौत हो गई। इनके विद्यालयों में भेदभाव की शिक्षा दी जाती है। सारे स्कूलों को सरकार अधिग्रहण करे।'' दिग्विजय सिंह ने भी ऐसे ही भड़काऊ ट्विट किए।

बंद और जाम की राजनीति

श्रीगंगानगर में बंद का आह्वान किया गया। जोधपुर, दौसा, टोंक सहित सभी जिलों में रैली निकाली गई। भीम आर्मी के मुखिया चन्द्रशेखर आजाद रावण भी वाम व कांग्रेसियों की आरएसएस के विरुद्ध भड़काई गई आग में हाथ सेंकने पहुँचे, परन्तु उन्हें जोधपुर हवाई

जालोर के सुराणा में संचालित विद्यालय

बिना जाने ही आरएसएस के विरुद्ध उगला जहर, फिर मांगी माफी

Dr. Udit Raj
@Dr_Uditraj

जालोर, राजस्थान के RSS द्वारा सरस्वती विद्या मन्दिर मे ९ साल के दलित छात्र को मटके से पानी पीने के कारण सवर्ण शिक्षक ने मारा और मौत हो गई। इनके विद्यालयों में भेद भाव की शिक्षा दी जाती और सारे स्कूलों को सरकार अधिग्रहण करे।

Dr. Udit Raj
@Dr_Uditraj

अमूमन शिशु मंदिर और सरस्वती विद्या मंदिर संघ के द्वारा चालित होते हैं ।जालोर में दलित छात्र के साथ घटना जिस स्कूल में हुई उसका नाम भी सरस्वती विद्या मंदिर है । बाद में पता चला कि यह स्कूल संघ का नही है इसलिए इस गलती के लिए खेद प्रकट करता हूँ।

Translate Tweet

10:12 PM · Aug 16, 2022 · Twitter for iPhone

अड्डे पर रोक लिया गया तो दलित संगठन और भीम आर्मी ने प्रदर्शन कर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर तक फेंके। साहब, समाज की शांति बिगाड़ने का पूरा जोर लगाया गया।

जमाते इस्लामी वाले भी पीछे नहीं

तथाकथित छुआछूत की प्रथा को लेकर जमाते इस्लामी हिंद के प्रदेशाध्यक्ष नाजिमुद्दीन भी दुखी थे साहब। उन्हें अपनी मुस्लिम कौम में हलाला, तीन तलाक, महिलाओं की आधी गवाही, बुरका जैसी समस्याएं नहीं दिखती, हिंदू समाज की कुप्रथा तो दिख ही जाती है। उन्होंने भी लानतें भेजी अमृत महोत्सव पर, जिसके दौरान इंसान को इंसान नहीं समझा गया।

खोदा पहाड़-निकली चूहिया

जालोर के सुराणा गांव के विद्यालय का समाचार जिस रूप में छपा था उससे आम लोगों का आक्रोशित होना स्वाभाविक ही था।

परन्तु आइए, देखें कि तथ्य का हैं? लिबरल गैंग ने जब मामले को दलित बनाम सवर्ण बनाकर हवा देनी शुरु की तो मीडिया, पुलिस-प्रशासन, खुफिया विभाग, जन प्रतिनिधि सब ने अपने स्तर पर उस मटकी को ढूँढने का प्रयास किया। स्कूल में 80% अध्यापक अनुसूचित जाति से आते हैं- उनसे मटकी के बारे में पूछा गया। लगभग 350 छात्रों से भी एक-एक कर पूछताछ की गई, लेकिन उस रहस्यमयी 'मटकी' का पता नहीं चल सका। हाँ, नए-नए खुलासे जरूर होने लगे।

मटकी कभी वहां थी ही नहीं

ग्रामीणों, स्कूल के शिक्षकों और छात्रों का कहना है कि स्कूल में पानी पीने के लिए कभी भी कोई 'मटकी' रखी ही नहीं गई। स्कूल में पानी पीने के लिए एक टंकी है। सभी बिना किसी पूर्वाग्रह (भेदभाव) के उसी टंकी से पानी पीते रहे हैं। जालोर के पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन ने कहा कि पानी की मटकी वाली बात की अभी पुष्टि नहीं हुई है। स्कूल में पानी की एक टंकी है, वहीं सारे लोग पानी पीते हैं, ऐसी जानकारी सामने आई है।

सायला खंड के शिक्षा अधिकारी रेवा शंकर गर्ग ने भी कहा कि हम स्कूल गए थे, वहां शिक्षकों के लिए पानी के बर्तन या स्कूल में किसी भी जाति के आधार पर भेदभाव नहीं मिला। एक पानी की टंकी है और हर कोई उसमें पानी पीता है।

फिर शिक्षक ने मृतक छात्र को क्यों पीटा था?

पीटने का मामला

स्कूल के एक छात्र राजेश टेलर ने कहा कि मृतक इन्द्र कुमार का उसके साथ चित्रकला की कापी को लेकर झगड़ा हो गया था, जिस पर स्कूल के शिक्षक छैल सिंह ने हम दोनों को एक-एक चांटा लगाया था। वह यह भी कहता है कि मृतक इन्द्र उसका एकमात्र दोस्त था। राजेश ने यह भी कहा कि उसने पानी को लेकर भेदभाव नहीं देखा।

प्रश्न फिर खड़ा होता है कि एक थप्पड़ से छात्र की मौत कैसे हो गई?

छात्र की मौत का मामला

छात्र को थप्पड़ मारना अनुचित था। कोई भी इसका समर्थन नहीं करेगा। संबंधित अध्यापक पर इसके लिए कार्रवाई होनी ही चाहिए, परन्तु प्रश्न तो यह भी है कि एक थप्पड़ से ही छात्र इन्द्र की मृत्यु कैसे हो गई? मृतक छात्र इन्द्र के पड़ोसी गंगा सिंह ने बताया कि इन्द्र के कान में रस्सी (मवाद) जैसी चीज आती थी। दो वर्ष से इलाज चल रहा था। मृतक के दोस्त राजेश ने भी इस

दो तीन महीने से उसके कान से रस्सी आ रही थी। हमेशा साथ बैठते थे। मेरा सिर्फ इंद्र ही दोस्त था।

राजेश, इंद्र का का दोस्त

साभार : दैनिक भास्कर

भेदभाव!

जालोर से आई दो तस्वीरें लोगों में चर्चा का विषय बनी है–

1. पूर्व मंत्री गोलमा देवी ने दलित के घर की मटकी से पानी पिया।

2. कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष व अन्य नेताओं ने बिस्लरी की बोतलें मंगाकर पानी पिया।

बात की तस्दीक की।

सुराणा गांव के अजमल ने भी बताया कि मृतक इन्द्र के कान में संक्रमण (Infection) था और उसका दो वर्ष से इलाज चल रहा था। बताते हैं कि इस इंफेक्शन के चलते उसकी आंख के पीछे फोड़ा तथा मस्तिष्क में ब्लॉकेज हो गया था। शायद ऐसी हालत में एक थप्पड़ भी भारी पड़ी हो।

घटना 20 जुलाई की है। 24 दिन अहमदाबाद में इलाज चला। दुर्भाग्य से वहीं उसकी मौत हो गई।

दलित के साथ भेदभाव का एंगल

इस स्कूल का स्वामित्व जिन दो लोगों के पास है उनमें से एक जीनगर (मोची) है, जो अनुसूचित जाति से आते हैं अब जिस स्कूल के आधे का मालिक एक दलित हो, वहां पर दलितों के साथ भेदभाव या छुआछूत कैसे संभव है?

इस मिडिल स्कूल में 6 शिक्षक हैं, जिनमें से 5 शिक्षक दलित समाज से हैं (दो मेघवाल, दो भील व एक जीनगर), ऐसे में वहां दलित उत्पीड़न संभव है क्या?

स्कूल के अध्यापक अशोक जीनगर बताते हैं कि 2004 से यह स्कूल चल रहा है। इसमें 60 दलित बच्चे भी हैं। कभी ऐसा मामला नहीं हुआ। एक पुराने विद्यार्थी अर्जुन ने भास्कर की टीम को बताया कि 2005 से 2013 तक मैंने यही पढ़ाई की थी। कभी भेदभाव नहीं देखा। यह बात गलत फैलाई जा रही है।

सोशल मीडिया में एक वीडियो चल रहा है जिसमें मृतक छात्र के पिता और शिक्षक के बीच बातचीत हो रही है, इसको देख-सुनकर यही लगता है कि छात्र की पिटाई अनुशासनहीनता के कारण हुई थी तथा अध्यापक ने छात्र को इलाज के लिए आर्थिक मदद की पेशकश की थी।

आरोपी शिक्षक का व्यवहार

दी प्रिंट पत्रिका ने अपनी तहकीकात के दौरान उस गांव के एक व्यक्ति खेताराम भील जो कि आरोपी शिक्षक के खेत पर काम करता रहा था, से बात की। खेताराम ने बताया कि छैल सिंह (शिक्षक) ने कभी उसके साथ कोई भेदभाव नहीं किया। वह बताता है कि छैल सिंह उसके साथ बैठकर खाना खाते थे।

आरएसएस की स्कूल में भेदभाव का एंगल – मांगी माफी

सुराणा गांव का उक्त 'सरस्वती विद्या मंदिर' आरएसएस या विद्या भारती का है ही नहीं। परन्तु इस नाम के विद्यालय उत्तर प्रदेश में विद्या भारती द्वारा अवश्य चलाए जा रहे हैं।

भीम सिंह — अशोक जीनगर

साभार : दैनिक भास्कर

वाम और लिबरल गैंग ने बिना आवश्यक जानकारी किए वक्तव्य देने शुरु कर दिए कि स्कूल आरएसएस का है, आरएसएस को माफी मांगनी चाहिए- वगैरहा-वगैरहा।

जब संघ के स्वयंसेवकों ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर लोगों के सामने सही स्थिति प्रस्तुत की तो लिबरल और समाज तोड़ो गैंग को बेकफुट पर आना पड़ा। दलितों के तथाकथित नेता उदित राज को अपना ट्वीट वापस लेना पड़ा तथा एक नया ट्वीट कर माफी मांगनी पड़ी।

समाज तोड़ो गैंग के विरुद्ध एफआईआर

समाज तोड़ो गैंग को एहसास नहीं था कि अब हिंदू समाज जाग्रत हो रहा है। अब समाज में वैमनस्यता फैलाकर आपस में लड़ाने के उनके मनसूबे पूरे होने वाले नहीं है।

समाज ने इन वाम-लिबरल गैंग को जबरदस्त लताड़ लगाई है। सायला खंड के 'निजी स्कूल संघ' ने वहां की तहसीलदार कौशल्या जांगिड़ को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर कहा है कि जिले के किसी भी स्कूल में जातिगत भेदभाव नहीं होता है।

'स्कूल शिक्षा परिवार, राजस्थान' ने भी सारण गांव जाकर तथ्यों को पता लगाते हुए एक वीडियो जारी कर मटकी की बात को झूठा बताया है तथा जातिवाद की गंदी राजनीति का विरोध किया है।

जोगेश्वर गर्ग
विधायक जालोर

जालोर से विधायक जोगेश्वर गर्ग ने बयान जारी कर कहा कि घटना वाली स्कूल प्राइवेट हैं जिसके दो पार्टनर है- एक राजपूत तथा दूसरा मोची। आधे से ज्यादा टीचर एससी-एसटी के हैं। ऐसे में स्टाफ के बीच अलग-अलग पानी पीने की व्यवस्था तो हो ही नहीं सकती।

पुलिस के अनुसार कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह समेत पांच लोगों के विरुद्ध जालोर कोतवाली में एक मामला दर्ज कराया गया है जिसमें आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने सोशल मीडिया पर घटना वाले विद्यालय को आरएसएस से संबंधित बताकर घृणा व दुर्भावना पैदा की है। पुलिस को दी

टीचर को पकड़ लिया है। मटकी वाली बात की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

हर्षवर्धन अग्रवाल
SP, जालोर

साभार : दैनिक भास्कर

गई शिकायत में कहा गया है कि इन लोगों ने, समाज में संघ जैसे पवित्र-राष्ट्रभक्त, सेवा भावी संगठन के प्रति लोगों में वैमनस्य उत्पन्न हो- इसका पूरा प्रयास किया है। इन्होंने समाज में घृणा तथा आपसी शत्रुता उत्पन्न करने वाले झूठ पर आधारित ट्वीट किए हैं।

कोतवाली पुलिस ने दिग्विजय सिंह, संदीप सिंह, हंसराज मीणा, उदित राज तथा गौतम कश्यप के विरुद्ध धारा 505(2) सपठित धारा 506 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

सर्व समाज ने उठाई आवाज

जिस तरह से समाज में जातिवाद का जहर घोलने की कोशिश की गई, उसके विरूद्ध जालोर के मलकेश्वर मठ में सर्व समाज-36 कौम के लोगों की बैठक हुई तथा सभी ने एक स्वर में कहा कि जालोर के आपसी भाईचारे को बाहरी लोग जातिवाद का जहर घोल कर समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है, सर्व समाज उसका विरोध करता है। विद्यालय में हुई घटना के बारे में छुआछूत का झूठा मामला बनाने का आरोप भी लगाया गया तथा पुलिस को 6 मांगों का ज्ञापन सौंपा गया।

यद्यपि इस मामले में एसआईटी जांच के बाद ही पूरी तस्वीर स्पष्ट हो पाएगी, परन्तु आईएएनएस, दैनिक भास्कर, दी प्रिंट, जी न्यूज आदि द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर बहुत कुछ स्पष्ट हो चुका है।

वाम-लिबरल समाज तोड़क गैंग की राजस्थान में कार्यरत अरबन-नक्सली गैंग ने घटना की वास्तविकता जाने बिना ही कूदफांद शुरु कर समाज पर जातिवादी और छुआछूत आदि का आरोप लगाकर जो जहर फैलाना शुरु किया उसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। ●

(रामस्वरूप अग्रवाल)

समाज की सकारात्मक पहल

वाल्मीकि समाज की दो बेटियों की शादी का पूरा खर्च उठाया

जाति भेद मिटाने की एक अनुकरणीय पहल की है जोधा (जैसलमेर) गांव के मनोहर सिंह ने । उन्होंने सफाईकर्मी मदन लाल और आशा देवी की दो बेटियों सीमा और संजना की न केवल शादी करवाई बल्कि शादी का पूरा खर्चा भी स्वयं ने ही वहन किया।

स्थानीय इंदिरा कॉलोनी में पाँच बेटियों के माता-पिता ठेके पर सफाई का कार्य करते हैं। दोनों बच्चियों की शादी तय होने पर मदन लाल जी ने जब अपनी परेशानी समाज सेवी मनोहर सिंह को बताई तो उन्होंने दोनों बेटियों की शादी का पूरा खर्च स्वयं उठाते हुए बड़े धूमधाम से बच्चियों को विदा किया। फलौदी और सालासर नेथवा से आई बारात का उन्होंने स्वागत-सत्कार कर पूरी मान-मनुहार के साथ भोजन कराया और ससम्मान बारातियों को विदा किया। इस पुनीत कार्य में सभी ग्रामवासियों ने उनका पूरा-पूरा साथ दिया।

सफाईकर्मी बच्चियों की शादी में स्थानीय दुकानदारों ने भरा भात

नेहरू पार्क स्थित बालाजी मार्केट (डीडवाना) में वाल्मीकि समाज की दो बेटियां रीना और कविता पिछले 10 वर्षों से सफाई का कार्य कर रही थीं। बीते दिनों उन्होंने अपना विवाह तय होने पर शादी का निमंत्रण सभी दुकान वालों को दिया।

शादी वाले दिन खुमाराम, मोहनराम, शक्तिसिंह, आसुराम सहित अन्य व्यापारी मिलकर उन बच्चियों के घर पहुँचे और उन्हें अपनी ओर से चुनरी ओढ़ाकर मायरा (भात) की रस्म पूरी की। इसके साथ ही सभी ने मिलकर दोनों बहनों को 31 हजार रुपये नकद, दो सिलाई मशीन, तीन पायजेब की जोड़ी और कपड़े आदि भेंट किए। वाल्मीकि समाज की बच्चियों का भात भरकर डीडवाना के व्यापारियों ने जो उदाहरण प्रस्तुत किया है वह अनुकरणीय है।

अपने हाथों से वाल्मीकि भाइयों का मुँह मीठा कराकर भोजन कराया

मंदिर जीर्णोद्धार पर वाल्मीकि समाज को आदर पूर्वक शोभायात्रा के साथ लाया गया

मेड़ता सिटी स्थित प्राचीन शिव परिवार, मां कालेश्वरी एवं श्री रगतमल भैरूनाथ महाराज मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद आयोजित आठ दिवसीय प्राण–प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान महाप्रसादी की शुरुआत वाल्मीकि समाज के बंधुओं को अपने हाथों से मुंह मीठा कराकर की गई।

डांगावास, सोगावास, रेण, मेड़ता रोड पर रहने वाले वाल्मीकि समाज के लोगों को आदरपूर्वक शोभा यात्रा के साथ कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। इस दौरान बड़ी गवाड़ी बस्ती के सबसे बुजुर्ग चौथूराम अठवाल, पब्लिक पार्क स्थित छोटी गवाड़ी बस्ती के किशनलाल जावा भव्य बग्गी और खुली जीप में सवार थे। पीछे–पीछे वाल्मीकि समाज की महिलाएं मंगल गीत व भजन गाते हुए चल रही थीं। नगर के मुख्य मार्गों से निकली शोभा यात्रा का समाज के लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। गांधी चौक से प्रारंभ हुई इस शोभा यात्रा में बालिकाएं महिला सशक्तिकरण का संदेश देते हुए घोड़ियों पर सवार थीं। अग्रवाल समाज पंचायत भवन परिसर में वाल्मीकि समाज के बंधुओं को पंगत में बैठाकर मान–मनुहार के साथ भोजन प्रसादी करवाई।

इस दौरान ट्रस्ट–समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों के साथ ही शहर के गणमान्य लोगों ने अपने हाथ से वाल्मीकि भाइयों का मुंह मीठा कराया। इसके बाद ही स्थानीय लोगों ने भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम में महाप्रसादी की व्यवस्था 'अग्रवाल ग्रुप ऑफ कॉलेज', मेड़ता सिटी संस्था प्रमुख श्री कैलाश चंद अग्रवाल परिवार की ओर से की गई थी।

संघ का नया प्रकल्प – सुयश

समाज सेवा के भाव से मानवता का वैभव बढ़ता है – डॉ. मोहन भागवत

सेवा का भाव 'मैंने किया है' में नहीं है, बल्कि 'समाज के लिए किया है, अपनों के लिए किया है, राष्ट्र के लिए किया है', इस तरह का सेवा का भाव होना चाहिए। सेवा से समाज का हौसला बनता है और समाज खड़ा होता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि जब हमारे अंतःकरण में अपनत्व का भाव होगा, तभी हम दूसरों की सेवा कर पाएंगे। समाज सेवा के भाव से मानवता का वैभव बढ़ता है और संपूर्ण समाज में सेवा का भाव जाग्रत होता है। दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 'सुयश' कार्यक्रम में सरसंघचालक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने दिल्ली में विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले स्वयंसेवी संगठनों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्यों से मानवता का कल्याण तो होता ही है, साथ ही राष्ट्र को भी गति मिलती है।

एक सशक्त राष्ट्र के लिए समाज का हौसला बहुत आवश्यक है। सेवा का कार्य ईश्वर का कार्य है, इस भाव से जब हम सेवा कार्य करते हैं तो सभी कार्य स्वयं पूर्ण होने लगते हैं। भगवान स्वयं सेवा करने वालों को बल देते हैं, वास्तव में मानव मात्र की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। सरसंघचालक ने कहा कि वास्तव में यही भारतीय दर्शन और चिंतन है। संत तुकाराम के संदेशों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जो वंचित हैं, जो अभावग्रस्त हैं, जो पीड़ित हैं, उनकी जो सेवा करता है वही साधु है।

'सुयश' है संघ का नया प्रकल्प

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने समाज उपयोगी युवा शक्ति (सुयश) नाम से शुरू किए अपने नए प्रकल्प में दिल्ली की अनेक स्वयंसेवी संस्थाओं को जोड़ कर उनके कार्यों को व्यापक मंच देने की पहल की है। डॉ. भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आपके सेवा कार्यों को राष्ट्रीय पटल पर ले जाएगा और आपकी सभी गतिविधियों में सहयोग करेगा।

सुयश द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भरतपुर राजस्थान से 'अपना घर' नाम के स्वयंसेवी संगठन चलाने वाले डॉ. बृजमोहन भारद्वाज विशेष तौर पर शामिल हुए। डॉ. भारद्वाज समाज द्वारा बे–सहारा छोड़े गए लोगों के लिए 'अपना घर' नाम से संगठन चलाते हैं, जहां सभी बेसहारा लोगों को प्रभु के नाम से संबोधित किया जाता है। इस अवसर पर डॉ. भारद्वाज ने बताया कि वह अपना संगठन चलाने के लिए किसी से किसी भी तरह की सहायता नहीं लेते, बल्कि किसी भी सहायता के लिए ठाकुर जी को पत्र लिखते हैं जो सदैव उनकी सहायता करते आ रहे हैं। कार्यक्रम में दिल्ली के लगभग 30 स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव रखे।

कुटुम्ब प्रबोधन मंगल संवाद सप्ताह (10 से 17 सितम्बर,2022)

बना रहना चाहिए भारतीय परिवार व्यवस्था का वैशिष्टय

भारत का वैशिष्टय माने जाने वाली संयुक्त परिवार व्यवस्था क्या विलुप्त होती जा रही है? तीन-चार पीढ़ियों का एक साथ रहना, जीविकोपार्जन करना, पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्व मिलकर निभाना संयुक्त परिवार में सामान्य बात होती थी। आज जहां परिवार के सभी सदस्य व्यवसाय या खेती आदि में रहते हैं, वहां फिर भी कहीं-कहीं संयुक्त परिवार दिखाई देते हैं अन्यथा हम लोग धीरे-धीरे एकल परिवार की ओर बढ़ते जा रहे हैं।

भले ही सभी भाइयों का परिवार साथ न रहता हो, अब पहले जैसे संयुक्त परिवार न हों, तो भी भारतीय परिवार के सदस्यों के मध्य आपसी स्नेह-प्रेम, सामंजस्य, संवाद, संस्कार और भारतीयता से परिपूर्ण वातावरण जैसी विशिष्टताएं बनी रहनी चाहिए। इन विशिष्टताओं के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रयत्न का नाम ही है- कुटुम्ब प्रबोधन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से चलायी जा रही कई गतिविधियों में से एक है- कुटुम्ब प्रबोधन।

जयपुर प्रांत में आगामी 10 से 17 सितम्बर, 2022 तक इस गतिविधि के अंतर्गत मनाया जा रहा है- मंगल संवाद सप्ताह। लक्ष्य है कि घर-घर जाकर एक सुसंस्कारित, तनाव मुक्त, संवाद युक्त, सुसंगठित परिवार के बारे में चर्चा की जाए। एक सुखी सुसंस्कृत परिवार की दृष्टि से विचारणीय कुछ बिंदुओं के संबंध में प्राप्त लेख यहां प्रकाशित किया जा रहा है-

कुटुम्ब

पौराणिक काल में हमारी संस्कृति में ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' की अवधारणा दी गई है। संयुक्त परिवार व्यवस्था में तीन-चार पीढ़ियों का साथ रहना, जीविकोपार्जन करना, सामाजिक दायित्व पूरे करना सामान्य बात थी। धीरे-धीरे पाश्चात्य जगत के प्रभाव तथा सेवा क्षेत्र (Service Sector) की बहुलता से एकल परिवार अधिक हो गए है। संयुक्त परिवार उदाहरण स्वरूप ही मिल पाते है।

कुटुम्ब में परिवार जन, पशु-पक्षी, घर-व्यापार में कार्य करने वाले, पड़ोसी आदि को परिवार के सदस्यों जैसा ही माना जाता था। सभी की दुःख-सुख में समान भागीदारी होती थी। सिंधी समाज में कुटुम्ब की कुशल क्षेम ऐसे पूछी जाती है-

आड़ों-पाड़ों, ननड़ों-वड़ों,
ढोर-डगर-सबही राजी खुशी है ना।

अर्थात् अड़ोसी-पड़ोसी, छोटे-बड़े, पशु-पक्षी परिवार में सभी कुशल मंगल है ना।

प्रबोधन

- हमारा कुटुम्ब (परिवार) सुसंगठित, सुसंस्कृत, शक्ति सम्पन्न, विवेकशील व सामंजस्य वाला हो।
- हमारा घर तनाव मुक्त, दबाव मुक्त, विवाद मुक्त हो।
- हमारा घर संवादयुक्त, आनंद युक्त, भक्तिमय तथा शक्तिमय हो।

मंगल संवाद

पुराने समय में आपसी बातचीत, संभाल, देखभाल सहज भाव से होती रहती थी। कालान्तर में यह कम होता गया तथा वर्तमान में सामान्य नागरिक एकल प्रवृति का हो गया है। पति-पत्नी तथा बच्चे तक सोच सीमित हो गई है। अन्य परिजनों, आस-पड़ोस में कैसा चल रहा है उससे अनभिज्ञ होता जा रहा है। गली, मोहल्ले, नगर, समाज, देश में होने वाली गतिविधि से कोई मतलब नहीं रखता है। संचार माध्यम (मीडिया) जैसा प्रस्तुत कर दे उसी प्रकार की धारणा समाज बना लेता है।

पुरानी व्यवस्था पुनः स्वभाव में लाने, आपसी संवाद सहज भाव में लाने वाले हेतु, परिवार में सभी का साथ बैठना, सहज बात-चीत करना, विचार-विमर्श करना, सामाजिक विषयों पर चर्चा प्रारंभ करना, इसे ही मंगल संवाद नाम दिया गया है।

कैसे करना है

परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठें- आरती, भजन, हनुमान चालीसा का पाठ आदि कर सकते हैं। प्रातः काल हवन भी कर सकते हैं। साथ में भोजन करना, बिना किसी एजेण्डा सहज भाव से बातचीत करना, सभी को अवसर प्रदान करना चाहिए। मातृ शक्ति को समुचित आदर व अवसर देवें।

मुखिया के दायित्व

परिवार (कुटुम्ब) में किसी भी कार्य में मुखिया की अहम भागीदारी होती है। मुखिया कैसा हो

मुखिया मुख सो चाहिए, खान-पान को एक।
पाले-पोसे सकल अंग,तुलसी सहित विवेक।।

- परिवार को माली की तरह सहेजे, मालिक की तरह नहीं।
- मुखिया उस रबर बैंड की तरह होता है जो कि कागज के नोटो को एकत्र (एकजुट) रखता है जिसके हटने पर जरा सी हवा से सारे नोट बिखर जाते हैं।
- कुशल श्रोता बनें, वक्ता नहीं, संवाद चर्चात्मक हो, सभी की राय लेवें, सभी की बात धैर्यपूर्वक सुनें। सयंमपूर्ण व्यवहार करें।

- किसी भी विषय का समाधान मुखिया को नहीं देना चाहिए, सामुहिक चर्चा के माध्यम से समाधान आए, ऐसा प्रयास करें। तुरंत समाधान करना, सर्वदा आवश्यक नहीं। समाधान हेतु उचित समय देवें।
- सकारात्मक सोच रखें। कोई भी बात सदस्यों पर थोपना नहीं, सहज भाव से परिवार में उतारने का भाव रहना चाहिए।
- किन विषयों, बातों, चीजों को परिवार में उतारना, ग्रहण करना चाहिए इस पर भी विवेकपूर्ण सोचें।
- किस सदस्य से कैसा काम कराया जा सकता है, उसकी क्या विशेषता है आदि प्रतिभा पहचानने की कला स्वयं में विकसित करनी चाहिए।
- किसी भी विषय या प्रसंग को तर्कपूर्ण (Logically) बताया जाना चाहिए।
- पहले मुखिया को स्वयं को सुधारना चाहिए। फिर परिवार स्वयं अनुकरण करेगा।
- बच्चों को समझें, वर्तमान समय के अनुसार तालमेल करें एवं उन्हें महत्व देवें।

संवाद के विषय

- विषय औपचारिक न हो। पूर्णतया अनौपचारिक चर्चा का विषय हो।
- सर्वदा चर्चा सकारात्मक हो।
- विषय सहज भाव से सदस्यों के मन मस्तिष्क में उतरे। हमारी संस्कृति के अनुकूल त्योहार, जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ मनाना। गौ सेवा, हवन इत्यादि हो।
- अच्छी संगत-अच्छी पंगत : अच्छे व्यक्तियों की संगति हो। आहार स्वास्थ्य वर्धक हो।
- एक गुजराती कहावत-तमी खुश रहो, नहीं तो तमारो डॉक्टर खुश रवे। (तुम खुश रहो, नहीं तो तुम्हारा डॉक्टर खुश रहेगा)
- विषय में सभी की सहभागिता हो, विषय रूचिकर हो। परिवार, पास-पड़ोस, मित्रों, रिश्तेदारों के प्रेरणात्मक विषयों पर चर्चा हो।
- हमारे सांस्कृतिक मूल्यों के अनुसार आचरण की प्रेरणा देनी चाहिए।
- सामाजिक, राष्ट्रीय विषयों पर परिवार की सोच विकसित करनी चाहिए।
- स्वाध्याय, स्वयं के विचारों के लेखन का अभ्यास, समय पालन, अनुशासन आदि विषयों पर सामूहिक चर्चा कर व्यक्तिगत लक्ष्य, पारिवारिक लक्ष्य तय किए जा सकते हैं।
- धर्म, संस्कृति, देश, महापुरुषों, परिवार के उच्च आदर्शों, कार्यों, पराक्रम पर चर्चा करना चाहिए।
- परिवार की विशिष्ट बातों पर चर्चा करना। वंश वृक्ष (Family Tree) तैयार करना, वंश (पुरखों) की जानकारी देना।
- कुल देवता, मूल गांव की जानकारी देना, सपरिवार वहां जाना, रुकना, लोगों से मिलना-मिलाना, वहां का वैशिष्टय (विशेषता) बताना।

मंगल संवाद की आवृत्ति

दैनिक हो सके तो सर्वोत्तम नहीं तो साप्ताहिक का प्रयास रहे, किन्तु किसी भी हालत में थोपना ठीक नहीं। सभी परिवार सदस्य सहज रूप से मिल कर तय करें, उसी के अनुसार बैठे। रूचिकर व उपयोगी लगने पर स्वतः ही साप्ताहिक/दैनिक मंगल संवाद सहज स्वभाव में आ जाएगा। ●

अच्छी कमाई हमारे लिए विकास की गारंटी नहीं, संस्कार भी आवश्यक हैं

आज अधिकांश लोग यह सोचते हैं कि हमारे बच्चे पढ़-लिखकर अच्छी कमाई करने लगें, लेकिन पढ़ाई, लिखाई और कमाई हमारे लिए विकास की गारंटी नहीं है। संस्कार भी आवश्यक हैं। विकास में सरकार के साथ-साथ आमजन की भागीदारी भी आवश्यक है। यह कहना है सांसद एवं विचारक डॉ.सुधांशु त्रिवेदी का। वे भारत विकास परिषद् की ओर से 24 जुलाई को आयोजित 'भारत के विकास में हमारी भूमिका' संगोष्ठी में जयपुर के गणमान्यजनों को सम्बोधित कर रहे थे।

आत्मनिर्भरता की ओर भारत

उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' के बाद लगभग हर चीज भारत में बनने लगी है। आज ब्रह्मोस मिसाइल तक बन रही है। उसके बाद भी कोई कहता है कि विकास नहीं दिख रहा है तो उन्हें नजारे देखने के लिए नजर बदलने की जरूरत है। ''भारत के विकास में हमारी भूमिका'' विषय पर उन्होंने कहा कि हमने एक लंबी यात्रा पूरी की है।

अमृतकाल में विष भी निकलेगा

2047 में जब हम स्वाधीनता का शताब्दी वर्ष मनाएंगे तब भारत अपने भव्यतम रूप में पहुंचे, भारत का जो वास्तविक स्थान था, वो पुनः प्राप्त हो, हमें यह संकल्प लेना होगा। इस संकल्प कालखंड के 25 वर्षों को अमृत काल कहा गया है। जब विकास की बात करते हैं तो इस बात की ओर भी ध्यान करना होगा कि जब अमृत सागर मंथन से निकला था तो इससे पहले विष भी निकला था। आज कहाँ से विष निकल रहा है, इसका अपने विवेक से निर्धारण कर सकेंगे तो निश्चित रूप से अमृत काल से अमृत तत्व का मार्ग प्रशस्त होगा।

विश्व पर भारत का प्रभाव

उन्होंने कहा कि देश में 2014 के बाद विकास के विचार को नया आयाम मिला। विश्व में भारत ही ऐसा देश है, जिसकी संस्कृति, ज्ञान और धर्म का व्यापक और सकारात्मक

प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ा है। योग दिवस इसका उदाहरण है। संयुक्त राष्ट्र संघ में विश्व के 173 देशों ने योग का समर्थन देकर इसे अपनाया।

बिना अध्ययन टिप्पणी

मार्क्सवादी इतिहासकारों पर निशाना साधते हुए डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि इनमें से किसी ने भी वैदिक संस्थान में जाकर अध्ययन नहीं किया और वैदिक संस्कृति पर टिप्पणी कर डाली। इस मानसिकता से बाहर निकालने की आवश्यकता है। भारत में भाषा और शब्दों के माध्यम से लोगों में कुत्सित मानसिकता भरी जा रही है, नई पीढ़ी को इससे बचाना होगा।

नरसंहार और मारकाट है अभारतीय

उन्होंने यह भी कहा कि भारत एक मात्र ऐसा देश है, जहां 13वीं शताब्दी से पहले किसी नरसंहार का उल्लेख नहीं है। जो नरसंहार के उदाहरण मिलते हैं, वे 13वीं शताब्दी के बाद के हैं। क्या कारण थे कि नरसंहार और मारने-काटने की प्रवृत्ति भारत में आ गई? अब तक हमारे अंदर कैसी मानसिकता बिठाई गई? कहा गया कि हम गुलाम हो गए थे।

युद्ध हारने की कसौटी

हमें पढ़ाया गया कि महाराणा प्रताप हल्दी घाटी का युद्ध हार गए थे। लेकिन युद्ध हारने के चार निर्धारित मापदंड हैं। वह मार दिया गया हो, वह बंदी बना लिया गया हो, उसने टैक्स देना शुरू कर दिया हो और या दरबार में जाकर हाजिरी लगा दी हो। महाराणा प्रताप ने इन चारों में से एक भी काम नहीं किया। फिर किस आधार पर यह निष्कर्ष निकाल दिया गया कि प्रताप युद्ध हार गए थे? ●

प्रसिद्ध पटकथा लेखक विजयेंद्र प्रसाद संघ पर बनाएंगे फिल्म और सीरियल

बाहुबली, बजरंगी भाईजान, मणिकर्णिका और हाल ही में प्रदर्शित ''आर आर आर'' जैसी सुपरहिट तथा ब्लॉकबस्टर फिल्मों की पटकथा लिख चुके वरिष्ठ लेखक और वर्तमान में राज्यसभा सांसद वी विजयेंद्र प्रसाद ने घोषणा की है कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर फिल्म और वेब सीरीज (सीरियल) बनाएंगे। बता दें कि वी विजयेन्द्र प्रसाद प्रसिद्ध तेलुगु फिल्म निर्माता-निर्देशक एसएस राजामौली के पिता हैं, जिन्होंने अपने पिता द्वारा लिखी गई बाहुबली व 'आर आर आर' जैसी फिल्में बनाई हैं। इन फिल्मों ने कमाई के सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए थे।

आंध्र प्रदेश के शहर विजयवाड़ा स्थित एक महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वी विजयेंद्र प्रसाद ने बताया कि 3-4 वर्ष पूर्व तक वे आरएसएस के बारे में ज्यादा नहीं जानते थे और समझते थे कि महात्मा गांधी की हत्या में इसका हाथ है।

उन्होंने कहा, '' चार साल पहले मुझे आरएसएस पर फिल्म की पटकथा लिखने को कहा गया। चूँकि इसके लिए मुझे रुपए मिले थे, इसीलिए मैंने नागपुर जाकर मोहन भागवत से मुलाकात भी की। मैं वहाँ एक दिन रुका और पहली बार देखा- समझा कि आरएसएस क्या है और कैसे काम करता है। मुझे काफी पश्चाताप हुआ कि मैं इतने महान संगठन से अब तक परिचित नहीं था। अगर आरएसएस नहीं होता तो आज कश्मीर भी भारत में नहीं होता। पाकिस्तान की वजह से लाखों हिंदू मारे जाते।''वरिष्ठ लेखक ने कहा कि आरएसएस ने सिर्फ एक गलती की है और वो ये है कि लोगों को अपने काम के बारे में नहीं बताया। उन्होंने कहा कि उनके प्रयास के बाद लोग गर्व से इसकी महानता पर चर्चा करेंगे।

उक्त कार्यक्रम में श्री राम माधव की पुस्तक 'Partitioned Freedom' (विभाजित स्वाधीनता) का लोकर्पण किया गया।

जैन समाज के तीर्थ स्थल को पर्यटन स्थल बनाने पर चहुंओर विरोध

झारखण्ड के गिरिडीह जिले के मधुबन में स्थित है जैन समाज का सर्वोच्च तीर्थ स्थल- सम्मेद शिखर। इसे शिखर जी या पारसनाथ पर्वत भी कहा जाता है, जहां देश भर से लाखों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुँचते हैं। यहाँ 24 जैन तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकरों को मोक्ष प्राप्त हुआ था। बीते दिनों से यह स्थल चर्चा का विषय इसलिए बना क्योंकि झारखण्ड सरकार ने इस पवित्र स्थल को पर्यटन स्थल बनाने का निर्णय लिया है, जिसका जैन समाज विरोध कर रहा है।

बीते दिनों इसी को लेकर एक प्रदर्शन बांसवाड़ा में भी हुआ। विरोध प्रदर्शन करते हुए जैन समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में जुलूस के रूप में जिला कलेक्टर को झारखण्ड सरकार के नाम पर ज्ञापन सौंपा। जैन समाज के महावीर बोहरा ने बताया कि पवित्र स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करके वहां होटल, रेस्टोरेंट आदि बनाने से अन्य प्रकार की गतिविधियां होंगी जिनसे जैन समाज के आस्था के केन्द्र की पवित्रता के साथ खिलवाड़ होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा उक्त निर्णय को निरस्त नहीं किया गया तो जैन समाज देशव्यापी आंदोलन करेगा।

आस्था के केन्द्र को पर्यटन स्थल के बजाय तीर्थ स्थल के रूप में घोषित किया जाना चाहिए।

पंचवटी

हुरड़ा (आसींद) में संघ के कार्यकर्ताओं की ओर से स्थानीय श्मशान भूमि में पीपल, बिल्व पत्र, बरगद, आंवला और अशोक के पौधे लगाए गए। पौधारोपण से पूर्व पंचवटी का चारभुजा मंदिर में पूजन किया गया।

जनजातीय महापुरुषों पर सेमिनार

देश की स्वाधीनता में बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिद्धू कान्हू, टंट्या मामा, रानी मां गाइदिन्ल्यु, गोविन्द गिरि जैसे अनेक महापुरुषों का बलिदान हुआ। देश के 125 विश्वविद्यालयों में ऐसे राष्ट्रभक्तों के योगदान पर सेमिनार होंगे। उक्त जानकारी वनवासी आश्रम के अ.भा.नगरीय प्रमुख श्री भगवान सहाय ने दी। अमृत महोत्सव के दौरान 75 जनजाति महानायकों पर परिषद् द्वारा एक पुस्तक का प्रकाशन भी किया गया है।

कम्प्यूटर लैब व शिशु वाटिका का शुभारम्भ

वनांचल शिक्षा समिति, केलवाड़ा द्वारा संचालित महर्षि वाल्मीकि आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने शाला प्रांगण में शारीरिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत योगाभ्यास, पिरामिड निर्माण, कविता पाठ, एकल व सामूहिक लोक गीतों पर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यालय में कम्प्यूटर लैब व शिशु वाटिका का उद्‌घाटन किया गया।

जवानों को बांधी राखी

सेवा भारती, जयपुर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में देश की सीमा की रक्षा करने वाले जवानों को सेवा बस्ती बालिकाओं ने राखी बांधकर उनके दीर्घजीवन की कामना की। जवानों की कलाइयों पर राखी बांधते ही वे हर्षित होकर भावुक हो गए और उन्होंने बालिकाओं को गले लगा लिया।

विभाजन की टीस एवं सीख का प्रदर्शन

'यंग थिंकर्स', राजसमंद द्वारा शार्ट फिल्म 'विभाजन की टीस एवं सीख' का प्रदर्शन कर युवाओं के साथ फिल्म स्क्रिप्ट, क्वालिटी, वॉइस आर्डर, स्क्रीन प्ले तथा निर्देशन जैसे विषयों पर चर्चा की गई। जिला संयोजक एडवोकेट दिग्विजय सिंह चुड़ावत ने बताया गत 1 वर्ष से युवाओं के बीच बौद्धिक जागृति हेतु समय–समय पर परिचर्चा, वाद–विवाद, ग्रुप डिस्कसन, पैनल डिस्कसन आदि का आयोजन किया जा रहा है।

रक्तदान शिविर

भारत विकास परिषद् की चित्रकूट शाखा द्वारा वैशाली नगर स्थित खण्डेलवाल वैश्य गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में सम्पन्न रक्तदान शिविर में 152 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ। **सेवा भारती** द्वारा आसीन्द जिले में 3 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। तीनों शिविरों में 251 यूनिट रक्त संग्रह हुआ।

तिरंगा यात्रा

विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर, **धोरीमन्ना** के छात्र–छात्राओं द्वारा स्थानीय बाजारों से एकता का संदेश देते हुए तिरंगा यात्रा निकाली गई।

स्वामी विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय, **कोटा** के विद्यार्थियों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। सभी छात्र–छात्राओं ने हाथ में तिरंगा ले रखा था। भारत माता की जय और वंदेमातरम् के नारे लगाते चल रहे बच्चों का स्थान–स्थान पर स्थानीय नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा में 700 बच्चों ने भाग लिया।

माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, तत्कालेश्वरपुरी, **जयपुर** की ओर से 13 अगस्त को मंडी खटीकान, वाल्मीकि बस्ती से होते हुए विशाल रैली निकाली गई। प्रधानाचार्य मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि रैली का स्थानीय लोगों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

विद्या भारती द्वारा संचालित श्री संचियालाल बैद माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, **रतनगढ़** द्वारा भारत माता की झांकी व देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के साथ नगर के मुख्य मार्गों से तिरंगा यात्रा निकाली गई।

आदर्श विद्या मंदिर, **रानी** के सरस्वती सभागार में वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर तिरंगा यात्रा निकाली गई।

भारतीय संस्कृति आधारित तंत्र की स्थापना अर्थात् स्वतंत्रता

संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख श्री स्वांत रंजन ने कहा है कि भारत की जो पहचान है संपूर्ण विश्व में, उसको बढ़ाने के लिए स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर जाना होगा। उन्होंने कहा कि 'स्व–तंत्र' स्थापित करना होगा जो हमारी सभ्यता और संस्कृति के अनुकूल हो।

श्री स्वांत रंजन 7 अगस्त को जयपुर में विद्याधर भाग की ओर से आयोजित प्रबुद्धजन संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपने देश में फ्रेंच, डच, पुर्तगाली और अंग्रेजों ने केवल आर्थिक शोषण ही नहीं किया, वहां की ईसाई मिशनरियों ने इन ताकतों का सहयोग लेकर बड़े पैमाने पर हिन्दू समाज का मतांतरण किया।

उन्होंने कहा कि तुर्क, पठान व मुगलों ने भारत को लूटने के लिए अनेक आक्रमण किए और तलवार के जोर पर धार्मिक स्थानों को लूटा, महिलाओं का शीलभंग किया और बड़े पैमाने पर मतांतरण किया।

अंग्रेजों के आगमन से पूर्व भारतीय समाज शत प्रतिशत शिक्षित था। भारत में 5 लाख स्वायत्त विद्यालय थे, जिनमें बिना जातिभेद व लिंग भेद के अध्ययन, अध्यापन का कार्य होता था। लेकिन अंग्रेजों ने भारतीय शिक्षा तंत्र को नष्ट कर अपनी शिक्षा पद्धति हम पर थोपी। स्वाधीनता के बाद वामपंथियों व कम्युनिस्टों ने उस शिक्षा व्यवस्था को जान बूझकर बनाए रखा एवं भारतीय इतिहास में गौरव को विघटित किया तथा गौरवशाली इतिहास के प्रसंगों को इतिहास में कोई स्थान नहीं दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रशांत कुमार अग्रवाल ने की।

हमारी संस्कृति में विश्व बाजार नहीं, अपना परिवार है

संघ के जयपुर प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेंद्र ने कहा है कि दुनिया के लोग विश्व को बाजार मानते है, लेकिन हम अपनी संस्कृति में विश्व को अपना परिवार मानते हैं।

वे गत 14 अगस्त को जयपुर में ऋषि गालव भाग की ओर से आयोजित प्रबुद्धजन गोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा सतत संघर्ष का इतिहास रहा है। बाहर से आए लोगों ने हमारे ऊपर आक्रमण करके राज किया। इन्होंने किन आधार पर हमारे देश पर राज किया, अपनी क्या कमियां थीं, इस पर आज विचार करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि जब तक समाज समरस नहीं होगा, तब तक जिस समर्थ समाज की हम कल्पना करते हैं वह संभव नहीं है।

डॉ. शैलेन्द्र ने कहा कि आज देश में अच्छी बातें हो रही है। चाहे भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण हो या काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण, धारा 370 का विषय हो या 100 से अधिक उपग्रह छोड़ने का विश्व कीर्तिमान हो। आज अनेक विकसित देश भारत से अपने उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित करवाते हैं भारत हर क्षेत्र में उन्नति कर रहा है। भारत के लोगों की धाक पूरे विश्व में बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि 1930 में डॉक्टर साहब ने अपना सरसंघचालक का दायित्व परांजपे जी को देकर स्वयं जेल में गए और नौ माह तक सश्रम कारावास की सजा पूरी की। ऐसे अनगिनत स्वयंसेवकों का देश की स्वतंत्रता और देश निर्माण में योगदान रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी विपिन चंद्र शर्मा ने कहा कि देश में कई आंतरिक चुनौतियां है, इनका सामना करने के लिए हिन्दू समाज को एकत्र आना होगा।

आत्मनिर्भर भारत, सुरक्षित भारत

चिंतक एवं कई वैचारिक सामाजिक संगठनों के मार्गदर्शक श्री इंद्रेश कुमार ने कहा है कि सर्वे भवंतु सुखिनः के सिद्धांत से ही भारत विश्व गुरु कहलाया। उन्होंने भारत के 5 हजार वर्ष के गौरवशाली इतिहास से वर्तमान के अमृत महोत्सव तक, भारत के विभिन्न कालखंडों के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए देश की आत्म निर्भरता व सुरक्षा को मूलभूत आवश्यकता बताया। इंद्रेश कुमार ने अनेकता में एकता, देश-प्रथम व तिरंगा हमारी आन-बान-शान सूत्र का महत्व बताया।

वे 12 अगस्त को जयपुर के पाथेय भवन स्थित देवर्षि नारद सभागार में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच, हिमालय परिवार व अ.भा. पूर्व सैनिक परिषद के तत्वावधान में आयोजित एक सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्य अतिथि सांसद रामचरण बोहरा ने वोकल फॉर लोकल पर जोर दिया। अंत में मालवीय नगर क्षेत्र में तिरंगा यात्रा का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया।

फिल्म के सकारात्म-नकारात्मक पहलुओं पर हो चर्चा

व्यक्ति की तरह समाज का भी मन निर्मित होता है, जिसके आधार पर कोई भी समाज किसी बड़े परिवर्तन के लिए तैयार होता है। फिल्में भी समाज का मन निर्माण करती है।

फिल्म में जो दिखाते हैं समाज वैसा होने लगता है। इसलिए पढ़े-लिखे और चिंतनशील प्रबुद्ध लोगों, विशेषकर युवाओं को फिल्में देखकर उन पर सार्थक चर्चाएं करनी चाहिए जिससे समाज को सकारात्मक परिवर्तन के लिए तैयार किया जा सके। साथ ही फिल्मों के द्वारा नकारात्मक परिवर्तन के लिए की जा रही कुचेष्ठाओं से समाज को जागरुक किया जा सके।

यह बात संघ के राजस्थान क्षेत्र सह प्रचार प्रमुख श्री मनोज कुमार ने 16 अगस्त को अजमेर में 'यूथ थिन्कर्स क्लब' द्वारा आयोजित फिल्म रिव्यू कार्यक्रम के दौरान कही।

इस अवसर पर प्रदर्शित डॉक्यूमेंट्री फिल्म की जानकारी देते हुए विभाग प्रचार प्रमुख भूपेंद्र उबाना ने बताया कि पांचजन्य द्वारा भारत के विभाजन के तथ्य और वास्तविक दृश्यों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज बनायी जा रही है जो यूट्यूब पर सबके लिए उपलब्ध करवायी जाएगी। इसी के प्रथम भाग का रिव्यू कार्यक्रम में किया गया।

सीमाजन कल्याण समिति के अभ्यास वर्ग में मंचासीन अतिथि

अंग्रेजों ने फैलाया भ्रम

भारत के इतिहास को बदलने का कुचक्र रचा गया। स्वाधीनता के बाद वामपंथी साहित्यकारों ने भारत के गौरवशाली अतीत को समाज के सामने नहीं आने दिया। हमारे हिन्दू जीवन दर्शन को विकृत किया गया। एकलव्य की घटना को तोड़ मरोड़कर षड्यंत्रकारियों ने समाज के सामने परोस दिया। वेदों के बारे में अंग्रेजों ने भ्रम फैलाया। आर्यों को विदेशी बताया गया। यह कहना है संघ के चित्तौड़ प्रांत प्रचारक श्री विजयानंद का। वे तलवाड़ा में आयोजित प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति त्योहारों और पर्वों की संस्कृति है। भारत भूमि को छोड़कर कहीं इतने सारे त्यौहारों की शृंखला दिखाई नहीं पड़ती जिस कारण उन्होंने फादर्स-डे, मदर्स-डे, वैलेन्टाइन-डे बनाए। बाजारवाद के इस युग में हमारे समाज पर भी भावात्मक विज्ञापनों के माध्यम से यह सब 'डे' परोसे जा रहे हैं। समरसता से सराबोर भारतीय संस्कृति में कभी छुआ-छूत, ऊँच-नीच जैसे भाव नहीं रहे किन्तु विदेशी आक्रांताओं ने भारत में फूट डालने के लिए यह कुचक्र रचा। हिन्दू समाज को षड्यंत्रपूर्वक अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग आदि में विभाजित कर दिया गया। गाय की देशी नस्लों को षड्यंत्रपूर्वक समाप्त कर भारत के 6 लाख गांवों में विदेशी नस्ल की गायों को पहुंचाया गया। सनातन संस्कृति को हर तरह से नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न विधर्मियों द्वारा किया जा रहा है। ऐसे में हमें जागरूक और संगठित हो कर इन चुनौतियों का मुकाबा करना होगा। धर्म-जागरण, गो-रक्षा, स्वदेशी, समरसता, पर्यावरण से सराबोर सनातन संस्कृति को संगठन शक्ति के माध्यम से सुदृढ़ करना होगा। हेडगेवार जी ने कहा था देश के लिए मरना आसान है हमें देश के लिए जीना सीखना होगा।

श्री विजयानन्द ने कहा कि आज संघ अपने 100 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। निष्ठावान स्वयंसेवकों के त्याग और तपस्या के सुखद परिणाम हम देश-समाज जीवन में देख पा रहे हैं।

चित्रदीर्घा

सीमाजन कल्याण समिति, बज्जू (बीकानेर) की ओर से बॉर्डर की 13 चौकियों पर तैनात 325 जवानों को बहिनों ने बांधे रक्षासूत्र

स्वाधीनता दिवस पर नागपुर स्थित संघ कार्यालय पर ध्वजारोहण करते संघ के सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद् की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मंच के मध्य बैठे संघ के सह सरकार्यवाह डॉ.कृष्ण गोपाल तथा अन्य अतिथिगण

जन्माष्टमी पर्व पर बारां के श्रीजी मंदिर पर संघ के घोष ने सुनाई मधुर बांसुरिया। डेढ़ दर्जन स्वयंसेवकों ने विविध वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि से कई रचनाओं को सुनाया।

धनवा ग्राम (कोटा) में नदी का जल स्तर बढ़ने के कारण बाढ़ पीड़ित परिवारों को आटा वितरित करते हुए सेवा भारती समिति के कार्यकर्ता

अमृता अस्पताल के लोकार्पण समारोह में स्वयंसेवकों ने संभाली व्यवस्थाएं

भोजन वितरण, भीड़ नियंत्रण व पार्किंग व्यवस्था को किया व्यवस्थित। 450 स्वयंसेवक सुबह 5.30 बजे से थे तैनात।

फरीदाबाद में प्रसिद्ध आध्यात्मिक विभूति माता अमृतानंदमयी के सानिध्य में संचालित नवनिर्मित अमृता अस्पताल के लोकार्पण समारोह में जहां पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुस्तैद था। वहीं, दूसरी ओर संघ के एक हजार स्वयंसेवकों की विशाल टोली ने समारोह को पूरी तरह अनुशासित व व्यवस्थित बनाया। समारोह में देश-विदेश से करीब 30 हजार लोग शामिल हुए थे। इतनी भीड़ होने के बावजूद समारोह में किसी तरह की दिक्कत नहीं आई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों के सेवा भाव की चर्चा चहुंओर थी। विशाल जनसमूह की व्यवस्था में जुटे गणवेश धारी 450 स्वयंसेवकों ने सुबह 5.30 बजे ही मोर्चा संभाल लिया था। हर आयुवर्ग के इन स्वयंसेवकों का सेवा एवं समर्पण के प्रति उत्साह देखते ही बन रहा था। इस समारोह में स्वयंसेवकों ने पार्किंग, भोजन वितरण, वीआईपी सुरक्षा व भीड़ नियंत्रण को अपने जिम्मे लिया था।

अमृता अस्पताल के लोकार्पण समारोह में भोजन वितरित करते संघ के स्वयंसेवक

श्रद्धांजलि

भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

डॉ. गुप्ता का देवलोकगमन

भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ.कृष्ण स्वरूप गुप्ता का गत 7 अगस्त को देवलोक गमन हो गया। वे 90 वर्ष के थे। डा.गुप्ता मूलतः मेवाड़ राज्य के बनेड़ा के रहने वाले थे। मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से सेवानिवृत्त डॉ.गुप्ता की इतिहास से संबंधित 26 पुस्तकें तथा 49 लेख प्रकाशित हुए। उन्होंने पुस्तकों का लेखन तीन भाषाओं में किया। उनकी लिखी पुस्तकें विश्व के 260 पुस्तकालयों में प्रदर्शित हैं।

डा. गुप्ता का निधन राजस्थान इतिहास जगत की ऐसी शून्यता है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। इतिहास के प्रकाण्ड विद्वान तथा इतिहास के शोध एवं अध्ययन को निरंतर गतिशीलता देने वाले डॉ.केएस गुप्ता को पाथेय कण परिवार की ओर से श्रद्धांजलि।

गीता दर्शन

श्रीकृष्ण कहते हैं–

शक्नोतीहैव यः सोढुं प्राक्शरीरविमोक्षणात्।
कामक्रोधोद्भवं वेगं स युक्तः स सुखी नरः।। (5/23)

जो साधक इस मनुष्य शरीर का नाश होने से पहले–पहले ही काम–क्रोध से उत्पन्न होने वाले वेग को सहन करने में समर्थ हो जाता है, वही पुरुष योगी है और सुखी है।

आओ संस्कृत सीखें - 7

हिन्दी	संस्कृत
● चाय पियेगें, क्या?	– चायं पिबति किम्?
● नहीं, इस समय पीकर आ रहा हूँ।	– नैव, इदानीमेव पीत्वा आगच्छामि
● थोड़ी सी चाय चलेगी।	– स्वल्पं चायं भवेत्।
● ठीक है।	– भवतु नाम।

घरेलू नुस्खे

आंवले के जूस में थोड़ा सा शहद मिलाकर रोज पीने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। रात में धुंधला दिखना जैसी परेशानी में यह लाभदायक है।

मोबाइल

मोबाइल फोन के जनक मार्टिन कूपर ने लोगों को जरूरत से ज्यादा मोबाइल का उपयोग करने पर कहा है कि– 'मोबाइल पर समय बर्बाद करने की बजाए असली जिंदगी जिएं। लोगों को जीवन की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी।'

गौरव के क्षण

- देश का पहला स्वदेशी विमान वाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत 15 अगस्त, 2022 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। समुद्री क्षेत्र में बढ़ेगा भारत का दबदबा। इसका आदर्श वाक्य है 'जयेम सं युधि स्पृधः' जो ऋग्वेद से लिया गया है, जिसका अर्थ है – अगर कोई मुझसे लड़ने आया तो मैं उसे परास्त करके रहूँगा।
- पुणे (महाराष्ट्र) में भारत की पहली स्वदेशी तकनीक से निर्मित हाइड्रोजन गैस से चलने वाली बस का लोकार्पण किया गया।
- 17 वर्षीय अंतिम पंघाल विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (अंडर–20) में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला पहलवान बनी।

हमारे मंत्र /प्रार्थना-6

ॐ असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योर्मामृतं गमय। ॐ शान्ति शान्ति शान्तिः।।

यह श्लोक बृहदारण्यकोपनिषद् से लिया गया है। इसका अर्थ है– 'हे प्रभु! मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो। मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।'

इतिहास में दर्ज है

नीतिश कुमार ने कांग्रेस के बारे में कहा था–

'' कांग्रेस में इतना अहंकार है कि उसे बर्दाश्त करना मुश्किल है। वे लोग सोचते हैं कि भारत में एकमात्र राजनीतिक दल वही है, बाकी सब ऐसे–वैसे ही हैं। लेकिन वास्तव में यह गुलामों की पार्टी है, वहां सत्ता एक ही परिवार से निकली है.. यह देश की सबसे वाहियात पार्टी है।''

(अरुण सिन्हा की पुस्तक 'द बैटल फॉर बिहार : नीतीश कुमार एण्ड द थिएटर ऑफ पावर' से साभार)

विश्व पर्यटन दिवस

27 सितम्बर

विश्व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 1980 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व पर्यटन दिवस आयोजित करने की शुरूआत की थी। विश्व पर्यटन दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और पर्यटन के माध्यम से देश की आय को बढ़ाना एवं उसके सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति विश्व समुदाय को जागरूक करना है। भारत विश्व के पाँच शीर्ष पर्यटक स्थलों में से एक है। वर्ष 2022 की थीम है – 'आजादी का अमृत महोत्सव'।

प्रेरणा

राष्ट्रभक्ति की भावना को निर्माण करने और उसको साकार स्वरूप देने का श्रेय भी राष्ट्र की संस्कृति को ही है तथा वही राष्ट्र की संकुचित सीमाओं को तोड़कर मानव की एकात्मता का अनुभव कराती है। अतः संस्कृति की स्वतंत्रता परमावश्यक है। बिना उसके राष्ट्र की स्वतंत्रता निरर्थक ही नहीं, टिकाऊ भी नहीं रह सकेगी।

– दीनदयाल उपाध्याय, संपूर्ण वाङ्मय–भाग–1/पृष्ठ 250

बोध कथा

अपमान का बदला

एक गोरा बालक कक्षा में किसी बात पर एक भारतीय बालक का कॉलर पकड़कर चिल्लाया– 'शटअप, ईडियट... यू ब्लैक इंडियंस'। भारतीय बालक सहम गया। किंतु उसकी बगल की सीट पर बैठे एक बालक की भुजाएं फड़कने लगीं।

'डैम डॉग!' किसी को बीच बचाव न करते देख गोरा बालक पुनः चिल्लाया। दूसरा सहपाठी गोरे बालक से बदला चुकाने के लिए आतुर था।

मध्यांतर में उसने सहपाठी को अपने पास बुलाया और कहा, ''तुम बुजदिल हो। गोरे लड़के ने मेरा अपमान किया होता तो मैं उसे मारते-मारते उसका कचूमर निकाल देता। मैं उस अंग्रेज के बच्चे से तुम्हारे अपमान का बदला जरूर लूंगा। अन्याय का विरोध करना हर व्यक्ति का फर्ज है चाहे उसका परिणाम कुछ भी हो। हमारी अन्याय सहने की कमजोरी ने ही हमें अंग्रेजों का गुलाम बना दिया है।''

छुट्टी हुई। दोनों भारतीय छात्रों ने स्कूल के बाद अपने से आगे चल रहे अंग्रेज छात्र को टंगड़ी मारकर गिराया। चारों खाने चित होकर गिरे गोरे बालक की छाती पर सवार होकर वह भारतीय बालक उसे अंधाधुंध घूंसे मारने लगा।

फिर उसने कहा,''भविष्य में यदि किसी भारतीय बालक के साथ तूने दुर्व्यवहार किया तो हड्डी-पसली एक कर दूंगा।'' यह चेतावनी देने वाला बालक था, सुभाष चंद्र बोस।

बाल प्रश्नोत्तरी -24

जीतें पुरस्कार। बाल मित्रों! 16 जुलाई का अंक पढ़ने के पश्चात् निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें। अपने उत्तर 'उत्तर शीट' में भरकर 79765 82011 पर वॉट्सएप करें। प्रथम 10 बाल मित्रों के नाम पाथेय कण में प्रकाशित किए जाएंगे तथा प्रथम 5 विजताओं की फोटो प्रकाशित कर उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा। प्रतियोगिता में 6 से 17 वर्ष तक के बाल-किशोर ही भाग ले सकते हैं। **उत्तर भेजने की अंतिम तिथि – 20 सितम्बर, 2022**

1. **जम्मू-कश्मीर में विद्या भारती के कुल कितने एकल विद्यालय चल रहे हैं?**
   (क) दो सौ (ख) एक सौ पचास (ग) तीन सौ (घ) दो सौ पचास
2. **हिन्दू समाज की सुरक्षा के लिए किस संगठन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं?**
   (क) विश्व हिंदू परिषद् (ख) सेवा भारती (ग) बजरंग दल (घ) हिंदू जागरण मंच
3. **प्रखर राष्ट्रभक्त महर्षि अरविंद का देहावसान किस वर्ष में हुआ था ?**
   (क) दिसम्बर 1950 (ख) सितम्बर 1950 (ग) अक्टूबर 1950 (घ) जुलाई 1950
4. **अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाने की शुरुआत किस वर्ष में हुई थी?**
   (क) वर्ष 2000 (ख) वर्ष 2001 (ग) वर्ष 2005 (घ) वर्ष 2004
5. **संस्कृत की महत्ता बताने वाला 'संस्कृत दिवस'कब मनाया जाता है?**
   (क) श्रावण पूर्णिमा (ख) भाद्रपद पूर्णिमा (ग) आश्विन पूर्णिमा (घ) चैत्र पूर्णिमा
6. **स्वर्गीय बाबा साहब आपटे का वास्तविक नाम बताइए?**
   (क) उमाकांत (ख) रमाकांत (ग) प्रियकांत (घ) चंद्रकांत
7. **असेम्बली में बम धमाका कर अंग्रेज सरकार को हिलाने वाले क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त का बलिदान कब हुआ?**
   (क) 20 जुलाई 1965 (ख)22 जुलाई 1965 (ग) 15 जुलाई 1965 (घ) 12 जुलाई 1965
8. **स्वामी विवेकानन्द जयंती भारत में किस दिवस के रूप में मनाई जाती है?**
   (क) युवा दिवस (ख) योग दिवस (ग) शांति दिवस (घ) प्रेरणा दिवस
9. **लोक देवता गोगाजी महाराज का मेला राजस्थान के किस जिले में भरता है?**
   (क) हनुमानगढ़ (ख) श्रीगंगानगर (ग) चूरू (घ) जोधपुर
10. **प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई का जन्मदिवस कब मनाया जाता है?**
    (क) 12 अगस्त (ख) 15 अगस्त (ग) 10 अगस्त (घ) 20 अगस्त

निम्नांकित उत्तर शीट भरकर इसी की फोटो वॉट्सएप करें। (बाल प्रश्नोत्तरी -24)

(कृपया अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो भी व्हाट्सएप करें)

1.( ) 2.( ) 3.( )
4.( ) 5.( ) 6.( )
7.( ) 8.( ) 9.( )
10.( )

नाम ....

पिता का नाम...................................

उम्र ...... पूर्ण पता ....

....

....................पिन.......................

मोबाइल नं. ....

बाल प्रश्नोत्तरी -21 के परिणाम

पूर्वांश

पवन

कोमालिका

विवेक

पंकज

1. पूर्वांश गुप्ता, मालपुरा, टोंक
2. पवन कंवर, बेरसियाला, जैसलमेर
3. कोमालिका सैन, सवाईमाधोपुर
4. विवेक गौतम, गुढ़ानाथावत, बूंदी
5. पंकज कुमार, पीलीबंगा, हनुमानगढ़
6. जानवी खारीवाल, भीलवाड़ा
7. मनीषा सिद्ध, बादड़िया, चूरू
8. मिस्टी अग्रवाल, कुम्हेर गेट, भरतपुर
9. वसुंधरा, कोलायत, बीकानेर
10. तनुष त्रिवेदी, दादाबाड़ी विस्तार, कोटा

प्रथम 5 विजेताओं को पुरस्कार भेजे जा रहे हैं।

सही उत्तर 1.(क) 2.(क) 3.(ख) 4.(क) 5.(घ) 6.(क)7.(ख) 8.(क) 9.(क) 10.(क)

संपादकीय

1 जुलाई के पाथेय कण में भारत में 'पाकिस्तान जिन्दाबाद' के नारे क्यों? संपादकीय में बहुत ज्वलंत मुद्दा उठाया गया है। इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र, राजनीति, कट्टर धर्मगुरुओं की सीख तथा मानवाधिकारवादियों का पक्षपात पूर्ण रवैया मुख्य कारण है।

इनके दिमाग में भरी हुई कट्टरता को तुच्छ राजनेता समर्थन देकर और अधिक उग्र कर इन्हें देश के विरुद्ध खड़ा कर रहे हैं, जिसका इनको भान नहीं है, जबकि वास्तविक रूप से राजनेता इनका दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके लिए हमारे राजनेताओं को समझना होगा कि भले ही वो राजनीति में एक-दूसरे का विरोध करें लेकिन आम आदमी को देश के राष्ट्रीय चिन्ह, संविधान, धरोहर, गीत, गान,एकता, सभ्यता और संस्कृति, परम्परा, तथा अखण्डता के विरुद्ध खड़ा नहीं करें। कानूनों में भी बदलाव करने की सख्त आवश्यकता है।

-सतीश चंद प्रजापति, अहमदाबाद, गुजरात

अनेक रोगों में उपयोगी गोमूत्र

पाथेय कण के 16 जून के अंक में 'अनेक रोगों में उपयोगी है गोमूत्र' लेख पढ़ा। आईआईटियन डॉ.राकेश अग्रवाल द्वारा गोमूत्र को कारगर औषधि बनाने के लिए किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय है। निःसंदेह मौसमी एवं महामारी जैसी गंभीर बीमारियों के नियंत्रण में यह उत्पाद उत्कृष्ट औषधि के रूप में सभी को उपलब्ध होगा। डॉ.अग्रवाल एवं उनके सहयोगियों को पाथेय कण के माध्यम से बधाई एवं शुभकामनाएं

-एनके मोरे, 567, शांति नगर, दुर्गापुरा, जयपुर

विद्या भारती

पाथेय कण के 16 जुलाई वाले अंक में प्रकाशित 'विद्या भारती के विद्यालयों ने तोड़ा अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों का भ्रम' लेख पढ़ा। विद्या भारती के विधालय अच्छी शिक्षा के लिए ही नहीं अपितु अच्छे संस्कारों के लिए भी जाने जाते हैं । यहाँ पढ़ने वाले विद्यार्थियों में अनुशासान, नैतिक कर्तव्य और राष्ट्रवाद की भावना का विकास किया जाता है।

मैं स्वयं विद्या भारती के विद्यालय का विद्यार्थी रहा हूँ। मेरे विद्यालय की कक्षा दसवीं का परिणाम पिछले 15 वर्षो से शत-प्रतिशत रहा है।

- अंकित कुमार मालव, छीपाबड़ौद, बारां

अत्यंत महत्व की पाथेय

अनेक वर्षों से मैं पाथेय कण नियमित रूप से पढ़ता हूँ। कार्यकर्ता की दृष्टि से अत्यंत महत्व की तथा उपयुक्त जानकारी आप प्रस्तुत करते हैं, आप सभी का अभिनंदन।

-अशोक कुकडे,
विवेकानन्द रुग्णालय,लातूर, महाराष्ट्र

ऐतिहासिक

पाथेय कण के 1 जुलाई के अंक में प्रकाशित समाचार 'अजमेर में 50 हजार हिंदुओं का ऐतिहासिक प्रदर्शन' को पढ़कर यह लगने लगा है अब हिंदू समाज जो सुसुप्त अवस्था में था, उठ खड़ा हो रहा है एवं विद्यर्मियों एवं जिहादियों को प्रत्युत्तर दे रहा है। अंक में विषय से संबंधित सभी चित्र बहुत अच्छे थे।

peelakanhaiyalal11@gmail.com

पर्यावरण

पाथेय कण के 1 जुलाई के अंक में पर्यावरण पर प्रकाशित समाचार पढ़कर प्रसन्नता की अनुभूति हुई। वास्तव में चहुंदिश बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण से निपटना एक वैश्विक चुनौती बन गई है। लेख में प्रकाशित सुझावों पर अगर पृथ्वीवासी थोड़ा-थोड़ा अमल करना प्रारम्भ कर दें तो निश्चित रूप से एक दिन हमारी पृथ्वी पर्यावरण प्रदूषण से मुक्त हो सकती है। भविष्य में भी इसी प्रकार जटिल विषयों पर मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

-नरेन्द्र कुमार जैन, बनेठा, उनियारा, टोंक

विचारणीय

16 जुलाई के अंक का संपादकीय सामयिक एवं विचारणीय है। हिंदू देवी-देवताओं का अपमान होना आज आम बात हो गई है, इसका कारण भी हम स्वयं ही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में समाज सुरक्षित रहे, इसके लिए हिंदुओं का संगठित होना अति-आवश्यक है। जाती-बिरादरी से ऊपर उठकर पहले हम हिंदू हैं, यह भाव जगाना होगा। राष्ट्र और समाज सर्वोपरि हो। राष्ट्र और हिंदू समाज सुरक्षित रहे इसके लिए शस्त्र एवं शास्त्र की शिक्षा अति-आवश्यक है। हमें हमारे मठ-मंदिर, देवी-देवता, हमारे मान बिंदु, तथा धर्म को सुरक्षित रखने के लिए संगठित होना होगा।

- श्याम बिहारी सेन, कोटा

आपणी बातां

16 जुलाई का अंक प्राप्त हुआ। पाथेय कण में प्रकाशित ''आपणी बातां'' राजस्थानी भाषा संवाद का स्तम्भ पढ़कर अच्छा लगा। पाथेय कण को धन्यवाद प्रेषित करूंगा कि वे राजस्थानी भाषा के माध्यम से अर्थ सहित बाल-तरुण विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन में वृद्धि कर रहे हैं। राजस्थानी भाषा आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं में से एक है, जिसका व्याख्यान दूर-दूर तक प्रचलित है।

-लक्ष्कार श्याम बावड़ी, जोधपुर

मायड़ भाषा

मुझे यह जानकार प्रसन्नता हुई कि पाथेय कण में मायड़ भाषा 'राजस्थानी' को स्थान दिया गया है। इसके लिए सम्पादक मण्डल को धन्यवाद। आशा करता हूँ, इसे नियमित रखा जाएगा। संवाद व विचार के अलावा राष्ट्रवादी कविताओं को भी स्थान दें।

-मुकुट मणिराज, कोटा

संस्कृत संभाषण

'आओ संस्कृत सीखें' स्तम्भ के माध्यम से संस्कृत बोलने-सिखाने का प्रयास पाथेय कण द्वारा किया जा रहा है, वह मुझे बहुत अच्छा लगा। मैं संस्कृत बोलना सीख रहा हूँ और मुझे विश्वास है कि कई युवा भी इस माध्यम से संस्कृत सीखने में रुचि ले रहे होंगे। संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है, अतः मैं अपने आप को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूँ।

-राजेश कनेसर, निवाई,टोंक

राष्ट्रनायक सुभाष चन्द्र बोस

29

सुभाष ने घर व देश से निकलने की योजना में केवल भतीजे शिशिर बोस को साथ लिया... उन्हें भी दो दिन पूर्व ही सूचित किया

देर रात्रि को सुभाष घर के पिछले द्वार से दबे पांव निकले... वहां खड़ी कार में आकर बैठ गए... पहरेदार मुख्य द्वार की ओर थे...

चाचा जी! इस रूप में आपको कोई नहीं पहचान सकता.. पक्के पठान लग रहे हो।

और इस पठान का नाम है, मोहम्मद जियाउद्दीन

कलकत्ता शहर सो रहा था... कार आगे बढ़ रही थी...

17 जनवरी को सुबह तक आसनसोल, धनबाद होते हुए बरारी पहुँचे, जहां शिशिर के भाई साहब रहते थे। मेहमान के रूप में वहां विश्राम किया फिर शाम को तीनों निकले...

तीनों समय पर गोमोह स्टेशन पहुँच गए... आगे की यात्रा सुभाष जी को अकेले ही करनी थी...

पाक्षिक
पाथेय कण
1-15 सितम्बर, 2022
(26 अगस्त को प्रकाशित, पृष्ठ 20)
आर.एन.आई.पंजीयन क्र. 48760/87
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY /202/2021-23
अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या
JAIPUR CITY/ WPP - 01/2021-23

आगामी पक्ष के विशेष अवसर
(आश्विन कृष्ण 6 से शुक्ल 5, वि.सं. 2079)
16 से 30 सितम्बर, 2022

जन्म दिवस

17 सितम्बर (1892) – हनुमान प्रसाद पोद्दार जयंती
17 सितम्बर – विश्वकर्मा जयंती
20 सितम्बर (1911) – पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जयंती
24 सितम्बर (1861) – मैडम कामा जयंती
22 सितम्बर (1933) – स्वामी सत्यानंद सरस्वती जयंती
25 सितम्बर (1916) – पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती
26 सितम्बर (1820) – ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जयंती
आश्विन शु .1(26सित.)– महाराजा अग्रसेन जयंती
27 सितम्बर (1926) – श्री अशोक सिंहल जयंती
28 सितम्बर (1907) – क्रांतिवीर भगत सिंह जयंती
28 सितम्बर (1893) – पं. श्रीनारायण चतुर्वेदी जयंती

बलिदान दिवस/पुण्यतिथि

17 सितम्बर (1916) – वैज्ञानिक शिवकर बापूजी तलपड़े की पुण्यतिथि
17 सितम्बर (1860) – लाला जयदयाल, मेहराब खान को कोटा में फांसी
19 सितम्बर (1726) – खण्डो बल्लाल की पुण्यतिथि
29 सितम्बर (1942) – मातंगिरी हाजरा की शहादत
30 सितम्बर (1915) – सूफी अम्बाप्रसाद का बलिदान
30 सितम्बर (1962) – गोभक्त लाला हरदेव सहाय की पुण्यतिथि

महत्वपूर्ण घटनाएं/अवसर

17 सितम्बर (1948) – हैदराबाद का भारत में विलय
23 सितम्बर (1918) – हैफा दिवस
27 सितम्बर – विश्व पर्यटन दिवस

सांस्कृतिक पर्व

आश्विन शुक्ल 1 (26 सितम्बर) – शारदीय नवरात्र प्रारम्भ

पंचांग- आश्विन (कृष्ण-पक्ष)
युगाब्द-5124, वि.सं.-2079, शाके-1944
(11 से 25 सितम्बर,2022)

क्षमावणी (जैन) पर्व व श्राद्ध पक्ष प्रारंभ– 11 सितम्बर, **चतुर्थी व्रत**– 13 सितम्बर, **पंचक समाप्त** (प्रातः 6.36)– 13 सितम्बर, **रोहिणी (जैन) व्रत**–17 सितम्बर, **विश्वकर्मा पूजा**–17 सितम्बर, **इंदिरा एकादशी व्रत** –21 सितम्बर, **शरद संपात्** –23 सितम्बर, **प्रदोष व्रत**–23 सितम्बर, **देवपितृकार्य अमावस्या, सर्वपितृश्राद्ध (समाप्त)**–25 सितम्बर

ग्रह स्थिति

चन्द्रमा : 11 से 13 सितम्बर **मीन** राशि में, 14-15 सितम्बर **मेष** राशि में, 16-17 सितम्बर उच्च की राशि **वृष** में, 18 से 20 सितम्बर **मिथुन** राशि में, 21-22 सितम्बर स्वराशि **कर्क** में, तथा 23 से 25 सितम्बर **सिंह** राशि में गोचर करेंगे।

आश्विन कृष्ण पक्ष में वक्री **गुरु** व वक्री **शनि** क्रमशः यथावत मीन व मकर राशि में बने रहेंगे। इसी प्रकार **राहु** और **केतु** भी क्रमशः मेष व तुला राशि में बने रहेंगे। **मंगल** और **वक्री बुध** क्रमशः वृष व कन्या राशि में गतिमान रहेंगे। **सूर्य** 17 सितम्बर को प्रातः 7.22 बजे तथा **शुक्र** 24 सितम्बर को रात 9.03 बजे सिंह से कन्या राशि में प्रवेश करेंगे।

जन्मदिवस पर शत शत नमन

गीताप्रेस के संस्थापक
हनुमान प्रसाद पोद्दार
17 सितम्बर

(1892-1971)

पहली बार भारत का तिरंगा जर्मनी में फहराने वाली
मैडम कामा 24 सितम्बर

(1861-1936)

समाज सुधारक व शिक्षाविद्
ईश्वर चन्द विद्यासागर
26 सितम्बर

(1820-1891)

विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष रहे
अशोक सिंहल
27 सितम्बर

(1926-2015)

स्वत्वाधिकारी पाथेय कण संस्थान के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक माणक चन्द
द्वारा कुमार एण्ड कम्पनी,ए-10,22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित
प्रकाशकीय कार्यालयः पाथेय भवन, 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर-302017
सम्पादक – रामस्वरूप अग्रवाल
प्रेषण दिनांक 1,2,3,4 व 5 सितम्बर, 2022 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर

प्रतिष्ठा में ____________________